



इंडो-जापान सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) का हुआ उद्घाटन

चर्चा में क्यों?

6 अगस्त, 2023 को बहिर के आईआईटी पटना के 15वें स्थापना दविस के मौके पर आईआईटी पटना के नदिशक प्रो. टीएन सहि और जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जेटरो) के चीफ डायरेक्टर जनरल ताकाशी सुजुकी ने इंडो-जापान सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) का उद्घाटन कया।

प्रमुख बदि

- इंडो-जापान सीओई (नहिन नो हाको) संस्थागत एवं एमएसएमई को बढावा देने के लयि मदद करेगा। यह केंद्र बहिर और जापान के बीच इनोवेशन, तकनीक, व्यापार-कारोबार, कृषि उद्यम, शकषिा के बीच दूरी को कम करेगा।
- आईआईटी पटना के नदिशक प्रो. टीएन सहि ने कहा कयिह सेंटर बहिर के मानव बल व जापान की तकनीक का मलिन स्थल बनेगा। जापान तकनीक और इनोवेशन का वशि्व लीडर है। अकादमकि क्षेत्र में वकिस के लयि बहिर के संस्थान जापान से एमओयू करेंगे।
- शकषिण संस्थानों से सहयोग और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढावा देने के लयि हब का नरिमाण होगा। बहिर में एमएसएमई की असीम संभावना है। यहाँ के उद्यमी एमएसएमई स्थापति करना चाहेंगे। उनहें तकनीकी सहयोग सेंटर के माध्यम जापान की सरकार व उद्यमी उपलब्ध कराएंगे।
- बहिर में कृषि, शकषिा, छोटे उद्योग, डेयरी आदि में असीम संभावनाएँ हैं। जापान के लयि बहिर को एक नविश के हब के रूप में वकिसति कया जाएगा।
- इंडो-जापान सीओई (नहिन नो हाको) संस्थागत एवं एसएमई के स्तर पर संस्थागत सहयोग को बढाने में मदद करेगा। इससे भारत और जापान की सरकार, संस्थानों, व्यापार में सहयोग मलिंगा।
- इस अवसर पर जापान से पहुँचे प्रतिनिधियों ने कहा कदिनों देशों की जनता में ऐतहिसकि मैत्री संबंध हैं तथा ये एक-दूसरे का सम्मान करते हैं, लेकनि भाषा दोनों देशों के बीच दीवार बन गई है। इसे दूर करने के लयि आईआईटी पटना और मासायुमे इंडिया द्वारा जापानी भाषा प्रशकषिण कार्यक्रम शुरू कया जा रहा है।
- जापानी भाषा के कौशल की जाँच के जेएलपीटी नयिमों के अनुरूप शकषिा मंत्रालय (मोम्बुशो), जापान के अंतरगत कार्य करेगा। 17 अगस्त को पहला बैच आरंभ हो जाएगा। सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त जापानी भाषा प्रशकषिक छात्रों को प्रशकषिण देंगे। आईआईटी पटना की वेबसाइट (<https://www.Aiitp.ac.in/>) पर इससे संबंधति वसितृत जानकारी जलद ही अपलोड कर दी जाएगी।
- सीओई स्थापति करने के मुख्य उद्देश्य:
 - अकादमकि क्षेत्र में सहयोग के लयि शकषिण संस्थान और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढावा देने हेतु हब का नरिमाण।
 - जापान के लयि बहिर को एक नविश के हब के रूप में वकिसति करना।
 - बहिर से नौकरी के लयि पलायन कर रहे युवाओं हेतु जापान को एक अच्छे वकिल्प के रूप में प्रस्तुत करना।
 - नए स्टार्टअप, इनक्युबेशन, नए शोध, सहकारति, जॉईंट वेंचर इत्यादि को बढावा देना।
- सीओई की शुरुआत को लेकर आईआईटी पटना के नदिशक प्रो. (डॉ.) टीएन सहि ने कहा कदिो देशों के बीच ऐसे संबंधों से तकनीक और ज्ञान के आदान-प्रदान के नए अवसर बनते हैं। सीओई की स्थापना रोजगार के नए अवसरों को भी जन्म देती है, जो कभारत के वकिस के लयि अत्यंत आवश्यक है।
- वदिति है कसिासकृतकि और धारमकि पर्यटन की दृषटिसे बहिर और जापान के संबंध काफी सुदृढ रहे हैं। तकनीक और अकादमकि क्षेत्रों में भी सहयोग बढाकर पुराने संबंधों को ही और प्रगाढ कर रहे हैं। बोधगया की माटी का स्पर्श जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धिहमारी संस्कृतिमें मानी जाती है।



//

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/indo-japan-center-of-excellence>

